साहित्य अकादेमी का तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय साहित्योत्सव

देश-विदेश के 425 से अधिक साहित्यकारों की 65 विभिन्न सत्रों में हिस्सेदारी

शिमला में 16 से 18 जून 2022 के बीच देश के सबसे बड़े तीन दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय साहित्य उत्सव का आयोजन किया गया। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर संस्कृति मन्त्रालय, भारत सरकार, साहित्य अकादेमी तथा कला और संस्कृति विभाग, हिमाचल प्रदेश सरकार के सहयोग से आयोजित यह उत्सव, गेयटी हेरिटेज कल्चर कॉम्प्लेक्स एवं टॉउन हॉल, रिज क्षेत्र में किया गया। इस अन्तरराष्ट्रीय उत्सव में भारत सहित 15 देशों के 425 से अधिक लेखक, विद्वान, अनुवादक, फिल्मकार, पत्रकार एवं कलाकारों ने 64 कार्यक्रमों में भाग लिया और 60 भाषाओं का प्रतिनिधित्व किया। 'उन्मेष– अभिव्यक्ति का उत्सव' शीर्षक से आयोजित यह उत्सव देश का सबसे बड़ा साहित्यिक आयोजन था। उत्सव का रंगारंग शुभारम्भ 16 जून को प्रातः 10 बजे गेयटी के मुख्य सभागार में माननीय संस्कृति राज्य मन्त्री भारत सरकार श्री अर्जुन राम मेघवाल, गोविन्द सिंह मन्त्री शिक्षा, भाषा एवं संस्कृति, हिमाचल प्रदेश सरकार एवं जगद्गुरु रामानन्दाचार्य स्वामी रामभद्राचार्य की उपस्थिति में हुआ। उत्सव के समापन-सत्र के मुख्य अतिथि हिमाचल प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री राजेन्द्र विश्वासनाथ आर्लेकर थे।

इस उत्सव में परिचर्चा, प्रस्तुति, कहानी एवं कविता-पाठ के अतिरिक्त विविध विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। कुछ मुख्य विषय थे– 'साहित्य और सिनेमा', 'विश्व की कालजयी कृतियाँ और भारतीय लेखन', 'आदिवासी लेखन', विदेशी भाषाओं में भारतीय साहित्य, 'एलजीबीटीक्यू लेखकों का लेखन', 'मीडिया और साहित्य', 'भक्ति साहित्य' और 'अनुवाद के माध्यम से सांस्कृतिक एकता' आदि।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अन्तर्गत प्रत्येक शाम को सोनल मानसिंह द्वारा भरतनाट्यम, पी. जयभास्कर द्वारा ताल वाद्य कचेरी का वादन, नाथूलाल सोलंकी द्वारा नगाड़ा वादन एवं महमूद फारुकी द्वारा दास्तानगोई 'दास्तान-ए-कर्ण' की प्रस्तुति इस उत्सव का मुख्य आकर्षण रहे।

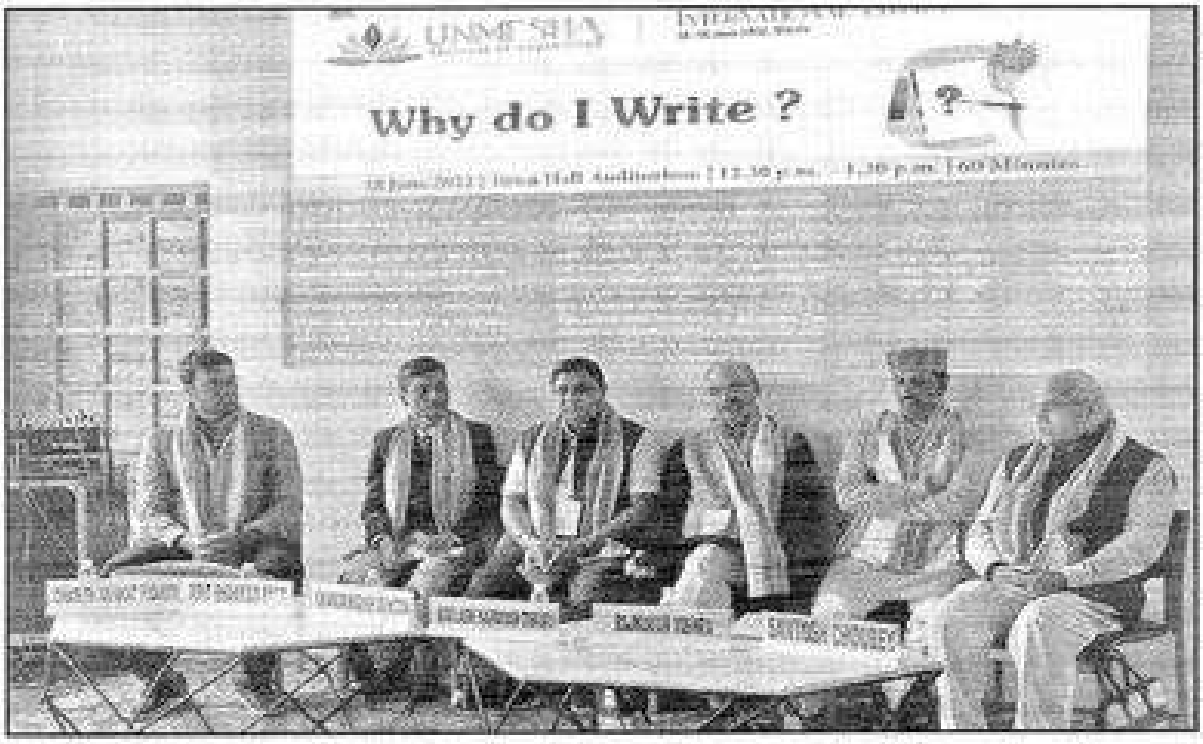

आमन्त्रित वक्ताओं के साथ 'वनमाली कथा' के संरक्षक संतोष चौबे (सबसे दायें)

इस अन्तरराष्ट्रीय उत्सव में शामिल हुए कुछ महत्त्वपूर्ण व्यक्तित्व थे– गुलजार, एस.एल. भैरप्पा, चन्द्रशेखर कंबार, लिंडा हेस, डेनियल नेगर्स, सुरजीत पातर, नमिता गोखले, राम नाइक, आरिफ मोहम्मद खान, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, रघुवीर चौधरी, सितांशु यशश्चन्द्र, विश्वास पाटील, रंजीत होसकोटे, गीतांजलि श्री, सई परांजपे, दीप्ति नवल, विशाल भारद्वाज, मालाश्री लाल, सुदर्शन वशिष्ठ, संतोष चौबे, जेरी पिंटो, एस. आर. हरनोट, होशांग मर्चेंट, मृदुला गर्ग, अनामिका, लीलाधर जगूड़ी, अरुण कमल, लीलाधर मंडलोई, जितेन्द्र श्रीवास्तव, सतीश अलेकर आदि।

उत्सव में विभिन्न भाषाओं के महत्वपूर्ण साहित्यकारों पर साहित्य अकादेमी द्वारा बनाई गईं फिल्मों के प्रदर्शन के साथ-साथ पुस्तक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया गया था। सम्पूर्ण उत्सव हर किसी के लिए निशुल्क था।